RAJ RISHI BHARTRIHARI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

PRE PH.D. ENTRANCE TEST (PET) 2017- SYLLABUS
SUBJECT- HINDI

इकाई 1

1) **हिन्दी भाषा और उसका विकास**

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ — वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण ।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी ।

हिन्दी भाषा-प्रयोग के विविध रूप — बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी ।

2. **हिन्दी साहित्य का इतिहास** (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

हिन्दी साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की पद्धतियाँ ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण ।

आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य ।

मध्यकाल : भक्ति-आन्दोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य ।

Coordinator, PET 2017
Rajrishi Bhartrihari Matsya
University, Alwar (Raj.)

हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान ।

हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य — मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण-भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य — मीरा और रसखान ।

हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व ।

रीति काल : सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव घनानन्द और पद्माकार, रीतिकाव्य में लोकजीवन ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) इकाई 2

आधुनिक काल : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास ।

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता ।

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि ।

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता ।

3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी ।

हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन ।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे, आठवां सर्ग, हिन्दी एकांकी ।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार — रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई ।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज ।

Coordinator, PET 2017
Rajrishi Bhartrihari Matsya
University, Alwar (Raj.)

इकाई 3

- भारतीय काव्यशास्त्र

  काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

  प्रमुख सिद्धांत रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य–सामान्य परियच।

  रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार, साधारणीकरण, रस के अवयत शब्द शक्तियाँ,

  अलंकार के प्रमुख भेद, रीति, गुण और दोष

  हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

  प्लेटो का काव्य सिद्धांत

  अरस्तू का अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी सिद्धांत

  लोंजाइनस का औदात्यवाद

  क्रोचे का अभिव्यंजनावाद

  आई.ए. रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत, मूल्य सिद्धांत

  टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

  कौलरिज का कल्पना एवं फैंटेसी संबंधी मत

  नयी समीक्षा, स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषवाद, मार्क्सवाद, यथार्थवाद,

  संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, विखण्डनवाद।

Coordinator, PET 2017
Rajrishi Bhartrihari Matsya
University, Alwar (R